



बहन का लौड़ा -40

“मीरा- पहले ही तुम्हारा लौड़ा बम्बू जैसा लंबा था..
अब और बढ़ गया है.. आज तो मेरी गाण्ड की खैर
नहीं.. राधे- अरे डर मत रानी.. बड़े प्यार से गाण्ड में
घुसाऊंगा.. ...”

Story By: पिकी सेन (pinky)

Posted: Wednesday, July 1st, 2015

Categories: [लड़कियों की गांड चुदाई](#)

Online version: [बहन का लौड़ा -40](#)

बहन का लौड़ा -40

अब तक आपने पढ़ा..

मीरा- कल नहीं.. आज ही.. तुम मेरी गाण्ड मारोगे.. मैं अब तुम्हें ज्यादा नहीं तड़पाऊँगी.. तुम्हें मेरी गाण्ड से प्यार है ना.. तो आज इसका भी मुहूरत कर दो.. उसके बाद तुम जब चाहो.. मेरी चूत मारना.. और जब चाहो गाण्ड मारना, अब सब तुम्हारा ही तो है।

राधे- अरे वाह.. मेरी मीरा आज तो दिल खुश कर दिया.. कसम से तेरी गाण्ड को देख कर.. लौड़ा रोज झटके खाता था.. आज मारने के नाम से ही आधा इन्च बढ़ा हो गया।

मीरा- क्या बात कर रहे हो.. पहले ही तुम्हारा लौड़ा बम्बू जैसा लंबा था.. अब और बढ़ गया है.. आज तो मेरी गाण्ड की खैर नहीं..

राधे- अरे डर मत मेरी मीरा रानी.. बड़े प्यार से देसी घी लगा कर तेरी गाण्ड में लौड़ा घुसाऊँगा..

मीरा- अच्छा मेरे आशिक.. तुम घी लाओ.. मैं बाथरूम जाकर आती हूँ.. उसके बाद तुम्हारा लौड़ा गाण्ड में जाएगा.. तो ठीक से बैठ भी नहीं पाऊँगी मैं..

राधे- अरे जा.. मेरी जान.. गाण्ड में लौड़ा गया नहीं कि पहले ही तेरी गाण्ड फट गई.. हा हा हा.. जा.. हल्की होकर आ जा.. उसके बाद मैं आज आराम से तेरी गाण्ड को खोलूँगा..

मीरा बाथरूम चली गई और राधे रसोई में घी लाने चला गया। उसने घी को हल्का गर्म किया और कमरे में ले आया।

दोस्तो, मीरा आए.. तब तक थोड़ी देर रोमा के पास चल कर देख आते हैं वो क्या कर रही है।

अपने कमरे में एकदम नंगी लेटी हुई किसी को फ़ोन लगा रही थी।

किसी को क्या नीरज को ही लगा रही होगी और आधी रात को किसको लगाएगी..

नीरज- हैलो मेरी जान.. क्या हुआ नींद नहीं आ रही क्या.. ?

रोमा- नीरज ये अपने क्या कर दिया.. मुझे अपने जिस्म पर कपड़ा अच्छा नहीं लग रहा..

बस मन कर रहा है नंगी ही रहूँ.. आहूह.. और मेरी चूत में सूजन आ गई है.. मैं क्या करूँ अब ?

नीरज- मेरी जान पहली बार चुदी हो ना.. तो कपड़ा कैसे अच्छा लगेगा.. तुम्हें इस वक़्त जिस्म पर कपड़ा नहीं.. जवान मर्द का जिस्म चाहिए.. जो तुम्हें अपने आगोश में लेकर प्यार करे.. तुम्हारी सूजी हुई चूत को चाट कर आराम दे..

रोमा- उफ़.. ऐसी बातें मत करो.. एक तो पहले ही मैं परेशान हूँ.. आप और मत सताओ.. बताओ ना.. मैं क्या करूँ.. जिससे मुझे आराम मिले..

नीरज- मेरी जान.. कल आ जाओ अब तुम्हें आराम मेरे लौड़े से ही मिलेगा.. जैसे बहुत तेज़ भूख लगी हो और 2 निवाला लेकर तुम्हें उठना पड़े.. तो उसके बाद भूख और बढ़ जाती है ना.. वैसे ही तुम्हारी चूत बस दो बार लंड लेकर और प्यासी हो गई है.. अब इसको लौड़ा ही शान्त कर सकता है.. आ जाओ कल..

रोमा- आहूह.. इससस्स.. कैसी बातें कर रहे हो.. आहूह.. ऐसे रोज स्कूल से गायब हुई.. तो सब को पता चल जाएगा..

नीरज- अच्छा कल शाम को किसी बहाने आ जाना ना.. प्लीज़..

रोमा- आ जाऊँगी.. आहूह.. मगर अभी तो कुछ बताओ.. मैं क्या करूँ ?

नीरज- एक काम करो.. ठंडे पानी से नहा लो और चूत पर कोई क्रीम लगा कर सोना.. कुछ आराम मिलेगा और कल किसी भी तरह आ जाना.. नहीं तो तुम ऐसे ही तड़पती रहोगी..
रोमा- ठीक है जानू.. अब रखती हूँ.. आहूह.. अब नहा कर ही सुकून मिलेगा.. बाय मेरे जानू लव यू..

अरे अरे.. ये क्या.. यहीं अटक गए.. थोड़ी देर के लिए कैमरा यहाँ क्या घुमाया.. आप तो बस.. जाने दो नहीं करनी आपसे बात.. वहाँ मीरा बाहर कब की आ गई.. जाओ खुद देख लो..

राधे- अरे वाह.. मेरी जान ये क्या बात हुई तुम मेरे पास ऐसे उल्टी चलकर क्यों आ रही हो ?

मीरा- आपको मेरी गाण्ड दिखा रही हूँ ना.. ताकि लौड़ा और बड़ा हो जाए..

राधे- अच्छा ये बात है.. तुम्हें डर नहीं लग रहा.. मेरे लौड़े से.. कि जब ये अन्दर जाएगा तो तुम्हें कितना दर्द होगा..

मीरा- मेरे आशिक.. जब चूत की सील इस लौड़े से तुड़वा ली.. तो गाण्ड में क्या दर्ज है.. और डर किस बात का.. वो लंड ही क्या.. जो दर्द ना दे..

राधे- उफ़.. मार डाला रे.. तूने तो कसम से.. आज तो तूने मुझे अपना गुलाम बना लिया.. मैं झुक कर तुम्हें सलाम करता हूँ ।

मीरा- नहीं नहीं.. राधे, मेरे पास चूत और गाण्ड के सिवा कुछ नहीं है.. मेरे सामने मत झुको.. तुम्हें गाण्ड मारनी है.. मरवानी नहीं है.. हा हा हा हा..

राधे- ओ तेरी की.. साली मुझे छेड़ती है.. रुक अभी तेरी मस्ती निकलता हूँ..

मीरा कमरे में इधर-उधर भागने लगी और राधे उसके पीछे, उसको पकड़ने में लग गया ।

राधे ने मीरा को आखिर पकड़ ही लिया और बिस्तर पर सीधा लेटा दिया ।

मीरा- क्या हुआ आशिक जी.. गाण्ड मारने का इरादा कैसिल कर दिया क्या ?

राधे- नहीं मेरी जान.. क्यों ऐसा क्यों बोल रही हो ?

मीरा- ऐसे लेटा कर कैसे गाण्ड मारोगे.. मेरे आशिक ?

राधे- मेरी जान पहले थोड़ा प्यार तो कर लूँ.. ऐसे सीधे ही लौड़ा गाण्ड में घुसा दूँगा.. तो तुम कहोगी मज़ा नहीं आया..

मीरा- ओह्ह.. ये बात है.. प्यार करोगे तो मेरी चूत में आग लगेगी.. उसके बाद मुझे लौड़ा चाहिए.. तो गाण्ड मारोगे या चूत ?

राधे- मेरे लंड में इतनी ताकत है कि मैं तुम्हारी चूत और गाण्ड दोनों की बैंड बजा दूँगा ।

इतना कहकर राधे चूचे चूसने लगा.. मीरा को मसलने लगा.. कभी उसके होंठ चूसता... तो कभी मम्मों का रस पीता.. दस मिनट तक वो दोनों एक-दूसरे को चूमते-चाटते रहे ।

मीरा- उई राधे.. अब बस भी करो.. आह्ह.. घुसा दो अपना डंडा मेरी गाण्ड में.. आह्ह.. आज पूरी तरह मुझे अपना बना लो आह्ह..

राधे ने मीरा को पेट के बल लेटा दिया और उसकी कमर को थोड़ा ऊपर कर दिया.. जिससे गाण्ड ऊपर को उठ गई..

अब राधे के सामने मीरा की एकदम गोरी गाण्ड थी.. जिसके बीच में छोटा सा हल्का गुलाबी छेद था.. जैसे कोई गुलाब हो.. राधे का ऐसी प्यारी गाण्ड देख कर लौड़ा फुंफकार रहा था...

मीरा- आह्ह.. राधे आराम से डालना.. कहीं मेरी गाण्ड फट ना जाए..

राधे- डर मत मीरा.. तू मेरी बीवी है और ये गाण्ड मुझे बरसों मारनी है.. इसको फाड़ दूँगा.. तो आगे क्या मारूँगा.. इसका मुहूरत बड़े प्यार से करूँगा... तू बस देखती जा..

राधे ने पास पड़ी प्याली से थोड़ा घी उंगली पर लगाया और मीरा की गाण्ड के छेद पर लगाने लगा..

मीरा की गाण्ड कभी सिकुड़ती.. कभी खुलती.. वो नज़ारा किसी को भी पागल बना देने के लिए काफ़ी था।

राधे ने आराम से उंगली गाण्ड में घुसा दी।

मीरा- आह्ह.. बहुत अच्छा लग रहा है राधे.. तुम बहुत अच्छे हो..

राधे- बोलो मत मीरा.. बस मज़ा लो.. मैं पहले उंगली से घी अन्दर तक घुसा देता हूँ..

ताकि जब लौड़ा अन्दर जाए तो तुम्हें दर्द कम महसूस हो..

मीरा- आह्ह.. मैं जानती हूँ.. मेरे आशिक.. मुझे तकलीफ़ देकर तुम खुद परेशान हो

जाओगे.. मगर तुम्हारी मीरा कमजोर नहीं है.. आह्ह.. घुसा दो अपना लौड़ा.. आह्ह.. मैं हर दर्द को सह जाऊँगी..

राधे- मैं जानता हूँ.. मेरी जान.. अब बस तुम दाँत भींच लो.. मैं लौड़ा घुसा रहा हूँ।

दोस्तो, उम्मीद है कि आप को मेरी कहानी पसंद आ रही होगी.. मैं कहानी के अगले भाग में आपका इन्तजार करूँगी.. पढ़ना न भूलिएगा.. और हाँ आपके पत्रों का भी बेसब्री से इन्तजार है।

pinky14342@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी पड़ोसन ज्योति आंटी की चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम सुमित है। मैं दिल्ली में रहता हूँ। मेरी आयु 23 साल है। मेरे घर में चार सदस्य हैं- मेरी मां और पापा, एक बहन और मैं। मेरी बहन शालू अभी स्कूल में पढ़ाई कर रही थी जबकि [...]

[Full Story >>>](#)

क्लासमेट की मां चोद दी

बात तब की है जब मैं और कुलजीत कक्षा 12 में पढ़ते थे। कुलजीत की अभी दाढ़ी नहीं निकली थी। चिकना और गोल मटोल था। चूतड़ ऐसे कि गांड मारने को उत्तेजित करते थे। वह मेरे घर के पीछे वाली [...]

[Full Story >>>](#)

मेरा सच्चा दोस्त बाबा : एक गे स्टोरी

दोस्तो, आपका अन्तर्वार्सना सेक्स स्टोरीज पे स्वागत है। मैं दीपक आप सभी को प्रणाम करता हूँ। सबसे पहले मैं अपने बारे में आपको बता दूँ। मैं 5 फुट 4 इंच के कद का हूँ और मेरा लंड 6 इंच का [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-12

इस पोर्न स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं नम्रता को अपने घर की खिड़की से घोड़ी जैसी बना कर उसकी गांड में लंड पेल रहा था। अब आगे : नम्रता ने अपने हाथों को खिड़की से टिकाकर अपने जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की जुगाड़ भाभी की डबल चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब ... मैं आपका दोस्त शिवराज एक बार फिर से एक सच्ची घटना लेकर आया हूँ। आप सबका जो प्यार मुझे मिला, वो ऐसे ही देते रहना। इस बार मैं आपको एक हसीन हादसा, [...]

[Full Story >>>](#)

